हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 सितंबर 2025

12 शिवालय मार्किट में दुकानों के लगे शेड दुकानदारों ने खुद उतारे

12 शारदीय नवरात्रे आज से, हाथी पर सवार होकर आएंगी माता

दीन दयाल जन आवास योजना

# DEEN DAYAL AWAS YOJNA
(Under Affordable Plotted Housing Policy 2016, Govt. of Haryana)

## 2/3 BHK LUXURY FLOORS
## IN RERA APPROVED TOWNSHIP

GURGAON MOST PROMISING ADDRESS SECTOR-35, SOUTH OF GURUGRAM

33% RESERVED FOR WOMEN & GOVT. EMPLOYEES

LOAN AVAILABLE | HDFC BANK We understand your world | ICICI Bank | SBI | Bank of India

## Pay ₹31,000 for Registration
Amount is Fully Refundable to unsuccessfull applicants

26th SEPTEMBER IS THE LAST DAY OF REGISTRATION

Unit Allocation Date 2nd October 2025 (Thursday)

### PAYMENT PLAN

| Type | Area in (Sq. Ft.) | Area in (Sq. mtr.) | Registration Amount | Payment Within 5 Days | Payment Within 15 Days | 10% Within 30 Days | 20% Within a Month | 60% On Possession | Total Basic Cost |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3BHK+3T | 1503 | 139.63 | ₹ 31,000 | ₹ 5,00,000 | ₹ 12,69,000 | ₹ 18,00,000 | ₹ 36,00,000 | ₹ 1,08,00,000 | ₹ 1,80,00,000 |
| 3BHK+2T | 1215 | 112.87 | ₹ 31,000 | ₹ 5,00,000 | ₹ 9,19,000 | ₹ 14,50,000 | ₹ 29,00,000 | ₹ 87,00,000 | ₹ 1,45,00,000 |

Any other charges levied by the Govt. & GST as applicable*

ATS to be executed after completion of 30% of payment

Most Trusted | Quality Construction | Timely Possession | Excellent Customer Service | Great Partnerships | Reputed | Transparent

### ADVANTAGES
- Bang on Gurgaon - Sohna Expressway
- In Close Vicinity of 15000+ upcoming residential Units
- Close to Educational Hub and Schools like GD Goenka World School, K.R. Manglam, SCJ Academy etc.
- 30 Mins Drive from IGI Airport
- 20 Mins Drive from Cyber City
- 7 Mins Drive from Proposed Metro Rail Corridor
- 15 Mins Drive from Rajiv Chowk

### SPECIFICATIONS
- Modular Kitchen - Chimney - HOB
- 1 Room Fully Furnished for Kids - AC in All Rooms
- Geyser (All Washrooms & Kitchen)
- Wardrobes in All Rooms
- Wooden Flooring in Master Bedroom
- False Ceiling in All Rooms
- 1 Year Maintenance Included

### AMENITIES

Basketball Court

Yoga Lawn

kids Play Area

Badminton Court

Outdoor Gym

Club House

## For Online Registration
## www.haryanadeendayalawasyojna.com
## Call: +91-92112-82697

Scan QR Code with Google lens For Online Registration

*अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाज़िमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।* - **हरिशंकर परसाई**

*चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता।*

कहानी

ललिता विम्मी

# अनछुए अहसास

उ उन दिनों चिट्ठी पत्री का ही ज़माना था, या फिर टेलीग्राम जिसे आम भाषा में लोग तार कहते थे, वो भी बहुत गम या बहुत खुशी के मौके पर। खुशी के वक्त तो तार बहुत ही कम या एकाध ही आता था। जब भी जिसके घर डाकिया तार लेकर आता था, उसके तो पैरों तले की जमीन ही खिसक जाती थी, और आसपास के लोग भी घबरा जाते थे। वो जमाना ही और था, बहुत स्नेह था लोगों में, एक दूसरे के लिए भावनाएं थी लोगों के दिल में। एक दूसरे के दुख- सुख में दिली तौर पर शरीक होते थे, न कि सिर्फ हाज़री भर जताने के लिए। शादी ब्याह से महीना भर पहले ही पड़ोसी भी तैयारी करवाने में जुट जाते थे। चार-पाँच दिन तक तक सब मिलकर अनाज व दालों की सफाई करते। फिर उस घर की लिपाई-पुताई मरम्मत में भी मदद करवाते, कोई अपने पराये जैसी बात नहीं थी। काम करते हुए सब मंगल गीत गाते, कोई ऐसे नहीं कहता कि उनके घर में शादी है, ऐसे बोला जाता कि हमारी गली में शादी है, फलां के बेटे की या बेटी की।

इन सब कामों के साथ-साथ एक मुख्य काम होता था चिट्ठी लिखना और न्यौता भेजना, न्यौता तो शादी से दो या तीन दिन पहले ही दिया जाता था हाँ, चिट्ठी जरूर महीना पहले लिखनी होती थी। जो बंदा चिट्ठी लिखता था वो बहुत ही जिम्मेदार होता, उसी के पास ब्योरा रहता था कि किस-किस को खत भेजना है और किस-किस को भेजा गया है। शादी वाले घर का मुखिया उसे अपने मेहमानों के पते वगैरह सौंप देता था। कितना अपना सा था न वो ज़माना। इस अपने से प्यारे से वक्त में सब की अपनी, सब की प्यारी थी, वृन्दा। सब उसे वंदू कहते थे। छठी में पढ़ने वाली वंदू की लिखाई ऐसी थी जैसे किसी ने कागज़ पर मोती उड़ेल दिए हो। लोग उसे अपनी भाषा में मज़मून समझा देते थे खत को भाषा और शब्द देने का काम वन्दु का होता था।

कभी भी किसी के काम को न कहना वंदू ने सीखा ही नहीं था। सब की राजदार थी वो। बिमला चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता। भरथो दादी अपने पीहर रामरमी की चिट्ठी जरूर लिखवाती, हर महीने और उन की चिट्ठी का जवाब भी आता। लिखना और पढ़ना सभी काम वंदू के ही थे। ऐसा नहीं था कि पूरी गली में सिर्फ वही पढ़ना-लिखना जानती थी, और भी बहुत लोग थे। लड़के लड़कियाँ जो उससे बड़ी कक्षाओं में भी थे, पर पता नहीं क्यों तमाम गली की ख़त-ओ-किताबत वंदू ही के हिस्से थी। कभी कभी तो उसके स्कूल से आते ही रास्ते मे ही बिमला चाची धीरे से बुलाती, 'आजा छोरी कब की बाट देख रही हूँ थारी'। 'चाची बस रोटी खा ल्यूं , बहुत भूख लग रही है'। 'चाची के घर रोटी ना है के छोरी', स्नेहिल डांट के साथ चाची मक्खन रोटी और चटनी खिलाती। रामेश्वर चाचा तो शाम को ही आते थे। 'वंदू चाल बेटी तेरी चाची बुला रही है'। चाचा ,'माँ चाय बना रही है, चाय पी के आऊँगी, सुनो चाचा आप भी पी लो, मेरी माँ चाय बहुत अच्छी बनाती है'। 'चल बेटी , तेरी चाची से मलाई वाली चाय बनवाते हैं, तेरे सहारे मुझे भी मिल जायेगी'। स्कूल के काम करने का समय लोगों के खत लिखने और पढ़ने में बीत जाता था। रात को बिजली नहीं होती थी, बहुत बहुत देर में आती थी। दीये की रोशनी में काम करती तो माँ चिल्लाती, 'अंधी हो जाओगी अंधी, रात रात भर दीया जला कर इन किताबों में सिर खपाओगी तो, दिन में लोगों की सेवा में लगी रहेगी, जैसे इस के सिवा किसी को लिखना पढ़ना आता ही नहीं'। 'मत चिल्लाया कर वंदू की माँ, छोरी अच्छा ही कर रही, कुछ बुरा न कर रही। देख कितनी पूछ है तेरी छोरी की गली में, सारा दिन वंदू वंदू हुई रहवे सै'। बाबा उसे को पुचकार देते।

> रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली , जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ–बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

यूं ही खत लिखती और पढ़ती वंदू बहुत अच्छे नम्बरों से बारहवीं ज़मात पास कर गई। पड़ोस की बीना मौसी कम उम्र में ही विधवा हो गई थी। उन्होंने अपने भाई के बेटे को गोद ले रखा था। लड़का दो साल पहले ही फौज में भर्ती हो गया था। बीना मौसी भी सारी चिठियाँ वंदू से ही लिखवाती थी। वंदू एक चीज हमेशा नोट करती कि बीना मौसी का बेटा हर खत के अंत में छोटा सा दिल का निशान बना देता है पर उसे तो इन सब से कोई मतलब ही नहीं था। एक बार वो अपनी छत पर कपड़े सूखा रही थी कि बीना मौसी भागती हुई आई, वंदू 'जरा चिठ्ठी पढ़ कर बता तो म्हारे राजेश्वर की लागै है, और कौन चिठ्ठी भेजेगा हमनै,आईए बेटी जरा जल्दी आईए।' 'मौसी आ रही हूँ'। वंदू ने जैसे ही वो पीला लिफाफा खोला, उसमें दिल का निशान बनी एक गुलाबी परची भी थी जिस पर लिखा था। सिर्फ वंदू के लिए, 'मेरे लिए।' ' क्या तेरे लिए छोरी'। 'कुछ नहीं मौसी, मैं तो चिठ्ठी खोल रही थी, इसी पर शायद कुछ लिखा है'। 'अच्छा छोरी पढ़ जल्दी पढ़'। वंदू ने गुलाबी परची अपने आँचल में छिपा ली थी। मौसी को पता भी नहीं चला था। 'कल लिफाफा लेकर आऊँगी, कल जवाब भी लिख देना'।

'जी मौसी'। रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली थी। जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ-बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

वंदू का चेहरा लाल हो गया था। उसे बहुत शर्म आ रही थी, झट से चादर खींचकर चेहरा ढक लिया था। मौसी अगले दिन लिफाफा लेकर आ गई थी, खत लिखवाने के लिए। वंदू ने भी खत पर एक दिल का निशान बना दिया। पन्द्रह दिन बीत गए थे, कोई जवाब नहीं आया था। मौसी से भी नहीं पूछ सकती थी, गर कोई खत आता तो मौसी सीधे उसी के पास आती पहले। आज सोच रही थी कि मौसी के पास जाऊंगी, शायद कुछ पता चले। तभी मां किसी औरत को ये कहती सुनी, बहुत ही बुरा हुआ, सारी उम्र बिता दी बेचारी ने वैराग्य में और अब इस उम्र में इतना बड़ा दुख। 'दुख-सुख की खबर तो लोगों को वंदू से मिलती है, ये कौनसा और किसके दुख का जिक्र कर रही हैं माँ' वंदू मन ही मन बड़बड़ाई। 'क्या हुआ मां'। 'अरी वो तेरी बीना मौसी का छोरा नहीं था वो फौजी, जिस खातर चिठ्ठी लिखवान आया करती वो' 'हां, हां, अभी तो उनकी चिठ्ठी का कोई जवाब ही नहीं आया', मां की बात बीच में ही काट ,वो जल्दी-जल्दी बोल गई थी।

'कैसा जवाब छोरी, वो बेचारा तै बार्डर पे दुश्मन संग लड़ते हुए राम ने प्यारा हो गया'। 'पर मां'! माँ ने शायद उसकी बात सुनी ही नहीं थी, वो तो उस पड़ोसन के साथ बातों में व्यस्त थी। वंदू भागकर कमरे में आ गई थी, उसनें किताब से वो गुलाबी पर्ची निकाल ली, उसके ऊपर बने दिल के निशान पर उसके आंसू बह निकले। 'तुम ने तो मेरा जवाब भी नहीं पढ़ा और वादा खिलाफी भी कर दी। ऐसा क्यों किया तुमने बोलो ना'। आंसुओं से दिल पर लगी स्याही फैल गई थी, रंग भी हल्का पढ़ गया था। मामाजी की एक पहचान के बंदे ने एक सरकारी नौकरी वाला रिश्ता बताया था। मां-बाबा ने भी तुरंत हां कर दी थी।

वंदू भी उस धुंधले दिल को अपने साथ समेटे ससुराल आ गई थी। सब बहुत अच्छा था यहां, पर कभी-कभी वो चुपके से उस धुंधले से दिल में भी झांक लेती । मां-बाबा के पास जब भी जाती, मौसी से जरूर मिलती, मौसी खूब रोती, मौसी को धीरज देते-देते वो भी अपने आंसुओं को बह जाने देती। वक्त कभी रुका है क्या, कभी नहीं, एक ज़माना बीत गया है। आंसुओं से भीगे दिल की स्याही वक्त की गर्द से और भी धुंधला गई है। अब चिठ्ठी पत्री सब खत्म हो गई हैं। अब तो वाट्सएप और मैसेंजर का वक्त है। आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी।

*आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी। 'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था। 'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए।*

'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था।

'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए'।

'आप भी बच्चों की बातों से बच्चे ही बन गए, मैं आपके लिए चाय लेकर आती हूँ।' चाय बनाते समय उसने भरे मन से कुछ सोच लिया था। सुबह पितृपक्ष का आखिरी श्राद्ध है, कहते हैं इस दिन सभी भूले बिसरों का श्राद्ध होता है।

पचास साल की हो गई हूँ, जीवन का क्या भरोसा। ये काम भी कर देना चाहिए। सुबह जल्द उठकर अपनी पारिवारिक रस्मों को निभाया, और फिर एक छोटा सा पर्स अपने बड़े बैग में रखा और मंदिर चली गई। उस वक्त मंदिर में कोई भी नहीं था। वृन्दा ने छोटे से पर्स में से गुलाबी रंग की परची बाहर निकाली। आखरी बार पढ़ा और हाथ जोड़ दिए। 'राजेश्वर मैं तुम्हें और खुद को इन अनछुए अहसासों से मुक्त करती हूँ, तुम जहाँ भी हो खुश रहो' और उसने उस दिल की धुंधली स्याही को शिवजी के चरणों के जल से बिल्कुल साफ कर दिया और अपने आंसुओं की नमी से उसका तर्पण भी कर दिया।

---

कविता | मनोज कुमार

## मेरी बेटी

मेरी बेटीआज एक बेटी की बाबुल के घर से सदा के लिए विदाई हो रही थी,
उसके अपने घर की दहलीज पराई हो रही थी,

हर किसी आंख से बह रही थी आंसू की धार,
माँ छुपा आंसुओं को कर रही थी बेटी का लाड़ दुलार,

इतने नाज लाड़ से पाली उस कोख की जाई को,
आज सदा के लिए हो जाएगी पराई जैसे चुकाई हो कोई उधार,

बाप की आंखों से भी आंसू रुक नहीं पाए,
बेटी को देते आशीष नीर बेहताशा आंखों से निकल आए,

खुशी के पल के बाद हो गया गमगीन सारा कुनबा परिवार,
छोटे भाई, बहन और सखियां भी रो–रो के दे रहे थे उसे विदाई,
उसे लड़की के मन में उठी टीस की वो हो गई आज पराई,

बचपन में खेलती थी भाई बहनों के साथ करती मां लाड़–दुलार,
सखियां भी आती गुड़िया खेलने जब होता छुट्टी वाला रविवार,

आज उसकी विदाई से रो रहे थे घर की खिड़कियां और मुख्यद्वार,
सर्दियों में पढ़ने के लिए उन खिड़कियों में रखती किताबें और लगाती कापियों की कतार,

गाड़ी आई और बिठा दिया बेटी को चल पड़ी गाड़ी जो खड़ी थी सज-धज कर तैयार,
चल पड़ी बेटी अपने जीवन के नए अध्याय को शुरू करने,

मां बाप ने पोंछा आंसुओं को क्योंकि अब बारी-बारी मेहमानों की भी विदाई हो रही थी,
आज एक लड़की के घर की दहलीज हमेशा के लिए पराई हो रही थी।

---

कविता | शिव 'बलाहा'

## तुम

तुम
इसलिए तुम हो
कि लड़कर, टूटकर
फिर तत्पर हो
लड़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि गिरकर, संभलकर
फिर खड़ी हो
चढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि मचलकर नीड़ से
फिर चहकी हो
बढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि होड़ में, दौड़ में
मुक़ाबिल हो
अड़ने को।

मुक्तक | वीरेंद्र मधुर

## कविताएं लिखते रहे

कविताएं लिखते रहे पर गाया नहीं,
गीत गाने का सलीका आया नहीं।

हम उलझ कर रह गए किताबों
में,उनको पढ़ने का समय पाया नहीं।

जल उठी हैं धमनियां संचार करते,
खून का रिश्ता सही निभाया नहीं।

कुछ लिखी ग़ज़लें रूबाई और नज़्म,
शब्द ने शब्दों को घर बुलाया नहीं।

भेद का मंथन किया तो भटके फिरे,
आदमी ने अपना रूप घटाया नहीं।

अभिमान के पर्चे चिपक कर रह गए,
मन से घृणा का कचरा हटाया नहीं।

बच्चे बूढ़े रोगी को खुशियां परोसे,
इंसान ने यह भार क्यों उठाया नहीं।

लिख दिया मधुर अंधेरा दूर होगा,
प्यार का दीपक कोई जलाया नहीं।

---

# नौरंगीलाल अपनी पार्टी में

व्यंग्य | डॉ. मधुकांत

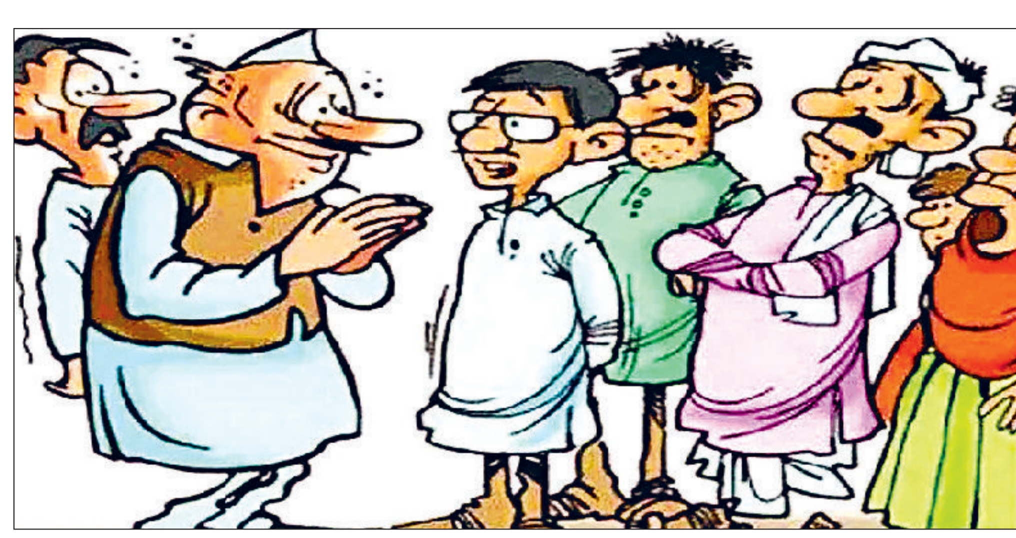

ज ब वह पहली बार इस स्कूल में आया था तब उसका नाम सम्मान के साथ मास्टर नौरंगीलाल जी संबोधित किया जाता था। कुछ दिनों बाद सब उनको स्कूल में मास्टर नौरंगी कहने लगे। सेवानिवृत्ति के बाद तो वह मात्र नौरंगी ही रह गया। उस दिन भोजन के बाद वह अपने बिस्तर पर जा रहा था कि अचानक फोन की घंटी बजी। बिना नाम के फोन को वह कम ही उठाते हैं परंतु जब दूसरी बार घंटी बजी तो उन्होंने फोन उठा लिया, 'हेलो ?" "जी, मैं आपका शिष्य रमेश बोल रहा हूं। आप तो मुझे भूल ही गए होंगे परंतु "कहिए, क्या काम है.. ? नौरंगीलाल ने बीच में बात को काट दिया। "सर, कल हम आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं।" "किस बात के लिए-" नौरंगी आश्चर्य से भर गए। "सर, आप इतने श्रेष्ठ अध्यापक रहे हैं। पूरे कस्बे में आपकी प्रतिष्ठा है। इसलिए हम पांचों मित्र सुबह 10:00 बजे आपके घर आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं"- कहते-कहते उसने फोन काट दिया।

नौरंगी भौचक्के से रह गए। यह कैसा सम्मान है? मेरा सम्मान और वह भी मेरे ही घर में, कल 10:00 बजे.. सोचकर बिस्तर पर जाने की बजाय वे वापस बैठक में आ गए। सब सामान को व्यवस्थित करने लगे। देर होने लगी तो कुछ काम सुबह के लिए छोड़कर वापस बिस्तर पर आ गए। सोने का उपक्रम करने लगे परंतु दिमाग उधेड़बुन में ही उलझा रहा। सुबह-सवेरे आंख जल्दी खुल गई। बैठक की साफ-सफाई करते, स्नान ध्यान करते, बाजार से दूध नाश्ते का सामान लाते 9:30 बज गए। आज उन्होंने पहले से अधिक उजला व प्रेस किया हुआ कुर्ता पहना था।

> सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया। पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया।

उन पांचों ने बैठक में प्रवेश किया तो नारंगी लाल ने देखा कि वह उनसे भी अधिक उजले और खदर के कुर्ते पहने हुए थे। पांचों ने अपना परिचय दिया और स्कूल से जुड़ी यादों को ताजा करते रहे। इस बीच चाय भी पी ली गई। चुनाव के दिन थे, चर्चा के बीच रमेश ने पार्टी नंबर एक की प्रशंसा करनी चाही परंतु नौरंगी की उपेक्षा को देखकर उन्होंने विषय बदल दिया। नौरंगीलाल ने अनुमान लगा लिया था कि रमेश के हाथ में जो थैला है संभव है उसी में सम्मान करने का सामान होगा। गली के बाहर चहल-पहल, माइक की आवाज बढ़ रही थी, तभी उन पांचों ने खड़े होकर गुरु नौरंगी लाल को भी अपने साथ खड़ा कर लिया। बारी-बारी शाल पहनाकर, फटका पहनाकर, माला पहनाकर और श्रीफल देकर वे सम्मानित करने लगे, तभी चुनावी पार्टी नंबर एक का जुलूस उनके घर में घुस आया और उनके गले में अपनी पार्टी का उत्तरीय पहनाकर, पार्टी के झंडे लगाकर, मास्टर नौरंगी लाल का अभिनंदन कर दिया। दो मिनट में ही सब गले मिलते, मिठाई खिलाते, ढोल नगाड़ों के साथ बाहर निकल गए।

नौरंगी हतप्रभ था कि यह शिष्यों द्वारा गुरु का कैसा अभिनंदन है और जाते-जाते एक पार्टी कार्यकर्ता की घोषणा- 'लो जी, आज से मास्टर नौरंगीलाल जी ने भी हमारी पार्टी ज्वाइन कर ली। अब तो हमारी जीत पक्की समझो।' नारंगीलाल तभी समझ गया कि उसके साथ राजनीतिक षड्यंत्र हुआ है। कभी द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा में शिष्य से उसका अंगूठा मांगा था और आज इस कलयुग में शिष्य हमसे कैसी शिष्य दक्षिणा मांगकर ले गया। दोपहर होते-होते दूरदर्शन पर, संध्या समाचार पत्र में, वीडियो, फेसबुक, व्हाट्सएप पर वायरल हो गया कि मास्टर नौरंगीलाल ने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है। नौरंगीलाल के पास फोन पर फोन आने लगे। वह किस-किस को समझता कि मेरे साथ धोखा हुआ है।

पार्टी नंबर दो वाले बीवी के मायके वालों की रिश्तेदारी में थे। बीवी के पास उनका भी फोन आया। लाल-पीली होकर बीवी नौरंगी के सामने डटकर खड़ी हो गई। "आपने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है।"

"अरे नहीं भाग्यवान, उन्होंने मेरे साथ धोखा किया । झूठा बहाना बनाकर, मेरे गले में अपनी पार्टी की नकेल डालकर चले गए।"

"तो मीडिया को सच बता दो कि मुझे धोखा दिया गया है।" ये संवाद चल ही रहे थे कि देखते-देखते पार्टी नंबर दो के कार्यकर्ताओं का झुंड उनके घर में आ घुसा । मुझे पार्टी नंबर दो का फटका पहन कर बीवी के नेतृत्व में मुझसे बुलवाया गया- "पार्टी नंबर एक वालों ने मेरे साथ षड्यंत्र करके अपनी पार्टी में सम्मिलित किया है। सच में पार्टी नंबर दो को ही मैं अपनी पार्टी मानता हूं।" सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज़ बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया।

पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया। रातभर प्रेस में नौरंगी लाल के गुम होने का समाचार घूमता रहा। पार्टी नंबर एक अब पार्टी नंबर दो पर और पार्टी नंबर दो पार्टी नंबर एक पर नौरंगीलाल को किडनैप करने का दोष लगा रहे थे। केवल शक ही नहीं, दोनों पार्टियों ने मास्टर नौरंगीलाल की थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवा दी।

---

# सशक्त लेखन की बानगी है 'पतरस के मजामीन'

पुस्तक : पतरस के मज़ामीन
लेखक : अहमद शाह बुख़ारी
प्रकाशक : सेठी परिवार की ओर से

पुस्तक समीक्षा | अरुण कुमार कैहरबा

आ पतरस के नाम से विख्यात अहमद शाह बुख़ारी उर्दू व्यंग्य के बेहद मकबूल रचनाकार हैं। एस.के.सेठी और रमणीक मोहन ने उनकी 1927 में पहली बार प्रकाशित हुई किताब को हिन्दी के पाठकों तक पहुंचाने का बहुत सराहनीय काम किया है। 'पतरस के मज़ामीन' में संकलित 11 व्यंग्य उनके सशक्त लेखन की शानदार बानगी हैं। इनमें होस्टल में पडऩा, सवेरे जो कल आँख मेरी खुली, कुत्ते, उर्दू की आख़िरी किताब, मैं एक मियाँ हूँ, मुरीदपुर का पीर, अंजाम बख़ैर, सिनेमा का इश्क, मेबेल और मैं, मरहूम की याद में, लाहौर का जुग्राफिया शामिल हैं।यह किताब उर्दू हास्य- व्यंग्य के इतिहास में मील का पत्थर मानी गई है। उर्दू की किताब को हिन्दी पाठकों तक ले जाने के लिए रमणीक मोहन और एसके सेठी ने किताब का अनुवाद नहीं किया, बल्कि लिप्यंतरण का जटिल व महत्वपूर्ण काम किया है। लिप्यंतरण के साथ ही उर्दू के कठिन अल्फाजों के साथ ही कोष्ठक में हिन्दी अर्थ भी लिख दिए हैं। इससे लिप्यंतरणकारों ने एक तरह से उर्दू के लेखन को उसके मूलरूप में हिन्दी पाठकों तक पहुंचाया है। यह हिन्दी और उर्दू को नजदीक लाने के जरिये भाषिक व साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने का भी कार्य है। पता चलता है कि लिप्यंतरणकारों को दोनों भाषाओं व फारसी-नस्तालिक तथा देवनागरी का अच्छा ज्ञान है। पतरस के हास्य-व्यंग्यों की बात करें तो यह विश्व साहित्य में कमाल का लेखन है। बहुत ही सहजता के साथ पतरस अपने विषय को कथात्मक शैली में आगे बढ़ाते हैं और व्यंग्य का पूरा एक माहौल सृजित करते हैं। इसमें पाठक हंसी के फव्वारों में नहाता जाता है। वे साधारण जीवन दृश्यों को बेहद चतुराई से हास्य में तब्दील करने के माहिर हैं। किताब का पहला व्यंग्य- 'होस्टल में पडऩा' विद्यार्थी की लाहौर के कॉलेज में पढ़ते हुए होस्टल में रहने की इच्छाओं पर केन्द्रित है। उनका निबंध 'कुत्ते' में कुत्तों का जो विवरण उन्होंने दिया है, वह पाठकों को अपने अनुभवों से जोड़ते हुए हास्य का सृजन करता है। 'मुरीदपुर का पीर' में एक लेखक व वक्ता के महिमामंडन और उसके वक्तव्य की हास्यास्पद परिणति को अद्भुत ढ़ंग से चित्रित करता है। पतरस के व्यंग्य सीधे तौर पर प्रहार करने की बजाय संवेदनशील ढ़ंग से हल्का-फुल्का हास्य पैदा करते हैं। उनके लेख सिर्फ़ हास्य-उत्पन्न करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि उनमें पाठक अचानक उस हास्य के पीछे छिपी गंभीर वास्तविकता को भी महसूस करता है। यही उनकी लेखनी की वास्तविक ताकत है।

## खबर संक्षेप

### सोने की गहने और फोन छीनकर बदमाश फरार

**फतेहाबाद।** भट्टू रोड पर नहर कालोनी मोड़ के समीप रविवार को दिनदहाड़े कार सवार बदमाश एक महिला से सोने के गहने व फोन छीनकर फरार हो गए। घटना के समय महिला घर से सत्संग के लिए जा रही थी कि रास्ते में बदमाशों ने उससे छीना झपटी की वारदात को अंजाम दिया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और सीआईए टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़िता सीमा रानी के बेटे वेदप्रकाश ने बताया कि उसकी मां सुबह सत्संग के लिए जा रही थी। जैसे ही वह गीता धर्मशाला के पास पहुंची, एक कार सवार युवकों ने उन्हें रोक लिया।

### पंडित आत्माराम धर्मशाला सभा की बैठक संपन्न

**रतिया।** पंडित आत्माराम धर्मशाला सभा की बैठक धर्मशाला के प्रांगण में हुई जिसमें धर्मशाला के रखरखाव को लेकर चर्चा हुई। मीटिंग का संचालन धीरज मोंगा एडवोकेट द्वारा किया गया। बैठक में धर्मशाला सभा के संरक्षक सतपाल जिंदल को सर्व समाज सभा रतिया का पुनः प्रधान बनाए जाने? पर सभा के सदस्यों द्वारा सम्मान भी किया गया। सतपाल जिंदल व सभा के प्रधान सतपाल ग्रोवर द्वारा ही एमविंडो एमीनेंट पर्सन डॉ. सुनील इंदोरा का भी बैठक में अभिनन्दन किया गया। सतपाल जिंदल ने सर्व समाज द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी से निभाने की बात कही गई और सभा का धन्यवाद किया गया और साथ ही श्राद्धों की अमावस्या का महत्व भी सुनाया गया।

### भगवान कृष्ण ने गोपियों संग रचाया रास : व्यास

**सिरसा।** अग्रसेन कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के 6वें दिन कथाव्यास पीठ किशोर व्यास ने बताया कि संसार को प्रेम का संदेश देने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों संग रास रचाया। ट्रस्ट के प्रधान कुलदीप मित्तल ने बताया कि श्री राधाकृष्ण महिला संकीर्तन मंडल का कथा आयोजन करना सराहनीय कार्य है। इस अवसर पर ट्रस्ट के संरक्षक केके शर्मा, श्रीराम जोशी, राजेश खत्री व महिला संकीर्तन मंडल की सभी सदस्य मौजूद थी। कथा समापन पर श्रद्धालुओं को 56 भोग का प्रसाद वितरित किया गया।

### एसोसिएशन ने बांटे सब्जियों के बीज

**सिरसा।** जट्ट भाईचारा वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को गुरुद्वारा चिल्ला साहिब में रबी सीजन की सब्जियों के बीज बांटे गए। एसोसिएशन के सचिव बच्चन सिंह ढींडसा ने बताया कि संगठन की ओर से घर दी सब्जी घर दा दूध स्लोगन के तहत किसानों को जागरूक किया जाता है कि हर किसान अपने खेत या घर पर खाने के लिए सब्जियां जरूर लगाए और हर किसान के घर दुधारू पशु जरूर होने चाहिएं, ताकि उसके परिवार को शुद्ध दूध, दही, लस्सी व घी मिल सके। ढींडसा ने बताया कि पहले समय में किसान बाजार से सब्जियां नहीं खरीदते थे।

### जोधपुर-हिसार एक्सप्रेस रेल सेवा के विस्तार की मांग

**सिरसा।** सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर जोधपुर- हिसार एक्सप्रेस रेल सेवा का विस्तार सिरसा/बठिंडा तक करने के लिए अनुरोध किया है। इस ट्रेन से श्री सालासर धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को तो सुविधा होगी ही साथ व्यापारी वर्ग को भी लाभ होगा। सांसद कुमारी सैलजा ने पत्र में रेल मंत्री को लिखा है कि सिरसा और बठिंडा क्षेत्र की जनता की ओर से वे आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती है कि 14891/92 जोधपुर- हिसार एक्सप्रेस को यदि सिरसा/बठिंडा तक विस्तार दिया जाए तो लाखों यात्रियों को सुविधा प्राप्त होगी। सांसद ने कहा कि धार्मिक दृष्टि से यह ट्रेन सेवा काफी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि श्री सालासर बालाजी धाम जाने के लिए सिरसा, भट्टू, आदमपुर, कालांवाली, रामां और बठिंडा क्षेत्र के यात्रियों को इस रेल सेवा की अत्यंत आवश्यकता है।

---

बंटवारे के बाद शुरू हुआ रामलीला का आयोजन

# भूना में 74वीं रामलीला की शुरुआत आज ऐतिहासिक यात्रा पर शहर वासियों की नजर

दलबीर सिंह ▶▶| भूना

*इस वर्ष 74वीं रामलीला का आयोजन हो रहा है, जिसका उद्घाटन भूना थाना प्रभारी ओमप्रकाश बिश्नोई द्वारा आज किया जाएगा। यह आयोजन भूना की सामाजिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक बन चुका है। स्थानीय लोग इस आयोजन को अपनी धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। भूना की रामलीला न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह समाज की एकजुटता, समर्पण और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बन चुकी है।*

वर्ष 1947 में भारत के विभाजन ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू परिवारों को अपनी जमीन छोड़नी पड़ी और इन परिवारों ने भूना जैसे इलाकों को शरण स्थल के रूप में अपनाया। इन्हीं परिवारों में से एक ने रामलीला के आयोजन की परंपरा शुरू की, जो आज तक जारी है। 1950 में भूना में रामलीला के आयोजन के लिए एक बैठक आयोजित की गई, लेकिन इसे तत्काल प्रभाव से लागू नहीं किया जा सका।

फिर 1952 में बाबा राणाधीर मंदिर में एक और बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता जगन्नाथ सेठी ने की। इस बैठक में दान राशि एकत्रित करने का निर्णय लिया गया और करीब 500 रुपये की राशि जुटाई गई, जिससे रामलीला का आयोजन संभव हो सका।

**भूना।** रामलीला के प्रथम वर्ष के दौरान राम-लक्ष्मण व सीता के रूप में कलाकारों का फाइल फोटो।

### आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद निरंतरता

शुरुआत में आर्थिक संकटों का सामना करते हुए भी रामलीला का आयोजन किया गया। एक साधारण बल्ब और स्पीकर से आयोजन की शुरुआत हुई, लेकिन भक्तों का उत्साह इसके सामने कुछ भी नहीं था। क्लब के सदस्यों और स्थानीय समाज ने मिलकर इसे सफल बनाया। यह सामाजिक एकता और धार्मिक समर्पण का उदाहरण बन गया।

**श्री रामाकृष्णा कला मंच एक वटवृक्ष की तरह :** समय के साथ रामलीला का आयोजन हर वर्ष और भव्य होता गया। श्री रामाकृष्णा कला मंच, जो कि मांगा कंबोज द्वारा स्थापित किया गया था, आज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है। इस मंच ने कई पीढ़ियों को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ा है। पूर्व सरपंच मांगा राम कंबोज के अनुसार, इस आयोजन में उनके पुराने साथी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें आज भी जीवित हैं।

---

# पुलिस ने धोखाधड़ी और झूठी शिकायत पर महिला सहित दो को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद।

**पीड़ित पर दबाव डालकर 42 हजार वसूले**

धोखाधड़ी एवं झूठी शिकायतों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना शहर रतिया पुलिस ने ऐसे ही एक मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पगविन्द्र सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी गांव बाह्मणवाला प्लाट ने पुलिस को शिकायत कर आरोप लगाया कि परविंदर कौर उर्फ पूजा निवासी गांव मीराना एवं हरी सिंह पुत्र सुच्चा सिंह निवासी बाहमणवाला प्लाट ने उसके साथ धोखाधड़ी की है। शिकायत के अनुसार, 17 सितम्बर को आरोपी महिला ने उसके खिलाफ झूठी छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 20 सितम्बर को पंचायत के दौरान समझौता करवाने के नाम पर उस पर दबाव डालकर 42 हजार रुपये वसूले गए।

---

महिलाओं के लिए लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

# 25 सितंबर को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के एप की होगी लॉचिंग

**फतेहाबाद।** अतिरिक्त मुख्य सचिव की वीसी में मौजूद अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

**जिला स्तरीय कार्यक्रम में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार होंगे मुख्यातिथि**

25 सितंबर को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के शुभारंभ का जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थानीय नागरिक अस्पताल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार होंगे। इसके साथ ही उपमंडल स्तर व खंड स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे जिसमें फतेहाबाद में पूर्व विधायक दुड़ाराम, टोहाना में पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली व रतिया में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने दी।

हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 25 सितंबर को प्रदेश भर में लाडो लक्ष्मी एप के शुभारंभ और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर व अन्य कार्यक्रमों को आयोजित करने की समीक्षा को लेकर सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय विभाग तथा नागरिक संसाधन सूचना विभाग हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी अनुपमा व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने संयुक्त रूप से रविवार को प्रदेश भर के जिला उपायुक्तों व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। वीसी उपरांत एडीसी ने बताया कि 25 सितंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिला से दस हजार लोगों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय रहते अपनी तैयारियों को पूर्ण करें।

---

## सिरसा में सांसद खेल महोत्सव का शानदार आगाज

हरियाणा खेलों में अग्रणी, सांसद खेल महोत्सव से ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच : पूनिया

# 35 हजार पंजीकरण, 1900 से अधिक टीम लेगी भाग

*। स्कूल की छात्राओं ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, प्रदेश में सिरसा लोकसभा क्षेत्र पहला ऐसा क्षेत्र है, जहां खेल महोत्सव का आगाज हुआ, मुख्य अतिथि ने परंपरागत तरीके से मशाल प्रज्वलित कर खिलाड़ियों के साथ दौड़ लगाई और युवाओं में उत्साह एवं जोश का संचार किया, सिरसा लोकसभा क्षेत्र के शेष ब्लॉकों के खिलाड़ी 30 सितंबर तक पंजीकरण कर सकते हैं*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/टोहाना।

टोहाना के गांव दमकौरा के शहीद भगत सिंह खेल स्टेडियम में रविवार को सांसद खेल महोत्सव का शानदार आगाज हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया मौजूद रहे जबकि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय ध्वज और खेल ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने परंपरागत तरीके से मशाल प्रज्वलित कर खिलाडिय़ों के साथ दौड़ लगाई और युवाओं में उत्साह एवं जोश का संचार किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सतीश पूनिया और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया। स्कूल की छात्राओं ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रदेश में सिरसा लोकसभा क्षेत्र पहला ऐसा क्षेत्र है, जहां खेल महोत्सव का आगाज हुआ है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा भौगोलिक दृष्टि से छोटा राज्य है, लेकिन खेल और सेना के क्षेत्र में इसकी पहचान पूरी दुनिया में बनी हुई है।

**टोहाना।** सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ करते अतिथिगण।

### सरपंचों की हुई रस्साकसी प्रतियोगिता

उद्घाटन अवसर परआयोजित सरपंचों की रस्साकशी प्रतियोगिता में दर्शकों ने खूब उत्साह दिखाया। इस प्रतियोगिता में टोहाना और नागपुर खंड के सरपंचों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें टोहाना खंड विजेता बना। वहीं नरवाना और रतिया खंड की टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में नरवाना की टीम ने जीत हासिल की।

### हरियाणा देश का पहला राज्य जिसने सबसे अधिक पदक जीते

हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने सबसे अधिक पदक हासिल किए हैं। सिरसा लोकसभा क्षेत्र से 35 हजार खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है और 1900 से अधिक टीमें इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं, जो देश में टॉप दस लोकसभा क्षेत्रों में शामिल हैं। कार्यक्रम को हरकोफेड के चेयरमैन एवं सांसद खेल महोत्सव के संयोजक वेद फुलां ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में हम मोदी जी के आह्वान पर मेडल ल्यावांगे सोंग लॉन्च किया गया, जिस पर श्रीराम पब्लिक स्कूल टोहाना के विद्यार्थियों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई।

### 25 दिसंबर तक करवाई जाएंगी प्रतियोगिताएं

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि यह महोत्सव सिर्फ खेल का मंच नहीं, बल्कि युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने वाला महाआंदोलन है। टोहाना ब्लॉक से प्रतियोगिताओं की शुरुआत हो चुकी है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र के शेष ब्लॉकों के खिलाड़ी 30 सितंबर तक पंजीकरण कर सकते हैं। सांसद ने बताया कि इस खेल महोत्सव के अंतर्गत 25 दिसंबर तक ब्लॉक, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वस्त किया कि लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न खेल स्टेडियमों में खेल सुविधाओं का विस्तार और आधारभूत ढांचे का विकास प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

---

# महिला को बदनाम करने की धमकी देने वाला काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

महिला को सोशल मीडिया पर बदनाम करने व धमकाने के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे गांव बैजलपुर निवासी एक महिला ने शिकायत दी थी कि ईश्वर सिंह पुत्र जोगीराम निवासी बैजलपुर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप ग्रुप और फेसबुक पेज भुना दर्पण पर बार-बार अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहा था। शिकायत में यह भी बताया गया कि आरोपी महिला को सोशल मीडिया पर अपशब्द कहकर बदनाम कर रहा है। गली-मोहल्ले

में मिलने पर गलत इशारे करता है। उसे जान से मारने की धमकी भी दे चुका है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए, थाना भुना पुलिस ने आरोपी ईश्वर सिंह के खिलाफ धारा 351(2), 79 बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

---

# कानूनी जागरूकता शिविर में विद्यार्थियों को दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला के गांव चामल स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें तीन अलग-अलग टीमों ने शिरकत की। इसमें नारकोटिक्स टीम का नेतृत्व सब इंस्पेक्टर महावीर सिंह व एएसआई चानन राम ने किया, लीगल टीम की तरफ से एडवोकेट सुमन अत्री और एडवोकेट प्रवीण अत्री मौजूद रहे, जबकि स्काउट टीम की तरफ से मदन गोपाल व जय सिंह शर्मा मौजूद रहे। तीनों टीमों ने अलग-अलग तरह से छात्र-छात्राओं को जागरूक किया नारकोटिक्स टीम ने नशे से होने वाले नुकसान, सामाजिक दुष्प्रभाव के बारे में विस्तृत चर्चा की और नशे से बचने के लिए जागरूक किया।उन्होंने कहा

**सिरसा।** स्कूल में आयोजित कानूनी जागरुकता शिविर में विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी देते हुए।

**जनारकोटिक्स टीम का नेतृत्व सब इंस्पेक्टर महावीर सिंह व एएसआई चानन राम ने किया**

कि नशा बेचने वालों के खिलाफ जानकारी देने वालों का नाम भी गुप्त रखा जाएगा। नशे के खिलाफ चल रहे आंदोलन में सभी छात्र-छात्राओं से सहयोग का आह्वान किया गया। इसके अलावा साइबर क्राइम के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई। एडवोकेट सुमन अत्री ने बच्चों को बताया कि वर्तमान में सबसे ज्यादा साइबर अपराध बढ़ रहा है, साइबर क्राइम से बचने के लिए किस तरीके से आप सोशल साइट पर या बैंक के लेनदेन में सिक्योरिटी रख सकते हैं।

---

## न्यूज डायरी

### उपवास दुनियां की सर्वश्रेष्ठ औषधि : आर्य

**फतेहाबाद।** दुनिया के सभी धर्मों में उपवास का महत्व है। खासतौर पर बीमार होने के बाद उपवास को सबसे अच्छा इलाज माना गया है। यह बात पंतजलि योगपीठ हरिद्वार के योगाचार्य डॉ. मदन गोपाल आर्य ने रविवार को अग्रसेन भवन भट्टू मण्डी में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में चल रही नि:शुल्क योग कक्षा में नवरात्रों के सन्दर्भ में कही। योगाचार्य डॉ. आर्य ने बताया कि आयुर्वेद में बीमारी को दूर करने के लिए तथा शरीर के विषैले तत्वों को दूर करने की बात कही जाती है और उपवास करने से बिमारियों को ठीक किया जा सकता है। उपवास को सर्वश्रेष्ठ औषधि माना जाता है। हालांकि हर बीमारी का इलाज भी उपवास नहीं लेकिन यह अधिकांश समस्याओं में कारगर रहता है। दरअसल उपवास का धार्मिक अर्थ न ग्रहण करते हुए इसका चिकित्सकीय रूप समझना चाहिए। पेट को खाली रखने का ही अर्थ उपवास है।

### अग्रोहा धाम में 7 अक्टूबर को लगेगा राष्ट्रीय मेला

**फतेहाबाद।** अग्रोहा धाम अग्रोहा में आगामी 7 अक्टूबर को ऐतिहासिक राष्ट्रीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में हरियाणा व आस पास के राज्यों के साथ साथ पूरे देश से लाखों की तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडेगी। यह बात अग्रोहा धाम अग्रोहा के प्रदेश प्रेस प्रवक्ता डॉ. राजकुमार गोयल ने कही। गोयल ने बताया कि यह मेला एक धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि समाज की एकता, सेवा और सांस्कृतिक धरोहर का महापर्व भी है। मेले में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के सभी जातियों और सभी धर्मों के लोग बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे। इस मेले में महाब्रहमऋषि श्रीकुमार स्वामी, देश के जाने माने भजन गायक कन्हैया मित्तल, अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय नेता व जी मीडिया ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा इत्यादि हस्तियां समारोह की शोभा होगी। यह राष्ट्रीय मेला अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग की देख रेख में आयोजित किया जा रहा है।

### महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी

**फतेहाबाद।** महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और आत्मसम्मान को सर्वोपरि मानते हुए फतेहाबाद पुलिस ने एक नई एडवाइजरी जारी की है। यह संदेश उन सभी महिलाओं के लिए है जो किसी भी प्रकार के उत्पीडऩ का सामना कर रही हैं, अब चुप रहने की नहीं, आवाज उठाने की घड़ी है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देश पर यह एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें महिलाओं से कहा गया है कि वे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, पीछा करने या साइबर शोषण जैसी घटनाओं को नजरअंदाज़ न करें और तत्काल सहायता के लिए 1091 या 112 पर कॉल करें। महिलाओं के लिए जरूरी सुरक्षा सुझाव देते हुए एसपी ने कहा कि अजनबियों से अपनी निजी जानकारी साझा न करें। सुनसान जगहों पर जाते समय अपने परिजनों को सूचित करें।

### विष्णु क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट की रामलीला आज से शुरू

**सिरसा।** श्री विष्णु क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट सिरसा द्वारा आयोजित किए जाने वाले रामलीला एवं दशहरा महोत्सव को लेकर रविवार को ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जानकारी सांझा की गई। ट्रस्ट के प्रधान दीपक सेठी बताया कि 22 सितम्बर से रामलीला शुरू हो रही हैं जिसमें भगवान श्रीराम की लीला का मंचन अत्यंत भव्य रूप में किया जाएगा। 3 अक्टूबर को राम राज्याभिषेक के साथ कार्यक्रम का समापन होगा । रामलीला का शुभारंभ गोपाल कांडा करेंगे। उन्होंने कहा कि ताडक़ा का सीन पूरे रामलीला में आकर्षण का केंद्र होगी और रावण की मूछे लोगों को मोहित करेंगी। दशहरे पर भव्य शोभा यात्रा होगी, जिसे ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ध्वजा दिखाकर रवाना करेंगे।

---

जल्लोपुर के विद्यार्थियों ने फहराई विजय पताका

# जिला स्तरीय हिन्दी दिवस पखवाड़ा में प्रतियोगिताएं आयोजित

**कविता लेखन में गौरांश दीप प्रथम और कविता पाठ में सविता दूसरे स्थान किया प्राप्त**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

डाइट मताना द्वारा आयोजित जिला स्तरीय हिन्दी दिवस पखवाड़ा प्रतियोगिता में जिले के गांव जल्लोपुर के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर से विजय पताका लहराते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है। इस स्कूल के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता, चित्र लेख कविता लेखन प्रतियोगिता में जहां पहला स्थान हासिल किया वहीं कविता पाठ प्रतियोगिता में स्कूल की छात्रा दूसरे स्थान पर रही। मुख्य अध्यापक जोगीराम, मुख्य शिक्षक सुपेन्द्र सिंह, राजकुमार सहारण, जेबीटी टीचर पवन कुमार व स्टाफ सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय जल्लोपुर के जेबीटी टीचर पवन कुमार ने बताया कि हिन्दी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

फतेहाबाद। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे जल्लोपुर के विद्यार्थी।

### विजेताओं को दी बधाई

इस प्रतियोगिता में जल्लोपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल कर रतिया ब्लॉक, गांव व स्कूल का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में 5वीं कक्षा की प्रिया पुत्री पाला राम ने प्रथम, चित्र देख कविता लेखन प्रतियोगिता में गौरांश दीप पुत्र दलीप सिंह ने जिले में प्रथम स्थान पाया वहीं कविता पाठ प्रतियोगिता में सविता पुत्री बिट्टू राम ने द्वितीय स्थान हासिल कर माता-पिता, गांव जल्लोपुर, अपने स्कूल व फतेहाबाद जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

## खबर संक्षेप

### अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक महिला को 21 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान कीर्ति नगर, फतेहाबाद की गली नं. 7 में मौजूद थी। वहां एक महिला प्लास्टिक कैनी लेकर संदिग्ध अवस्था में खड़ी थी। पुलिस को देखकर महिला जल्दी-जल्दी घर के अंदर जाने की कोशिश करने लगी।

### गांव में अवैध शराब सहित आरोपी को काबू किया

**फतेहाबाद।** थाना सदर फतेहाबाद पुलिस टीम ने गांव भिरडाना में एक आरोपी को 34 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम बस अड्डा, गांव भिरडाना के पास गश्त कर रही थी, जब विशेष सूचना मिली कि गांव भिरडाना निवासी संदीप सिंह पुत्र प्रेम सिंह अपने घर में भारी मात्रा में अवैध शराब छुपाकर रखे हुए हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

### खड़ी फसल चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

**डबवाली।** सदर थाना डबवाली पुलिस ने खेत से खड़ी फसल चोरी करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चिरंजीव सिंह निवासी पन्नीवाला रुलदू के रूप में हुई है। सदर थाना डबवाली के प्रभारी उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला निवासी पन्नीवाला रुलदू के खेत से आरोपियों द्वारा खड़ी फसल चोरी कर लिए जाने पर मामला दर्ज किया गया था। बाद में इस मामले की जांच करते हुए पुलिस ने एक आरोपी गुरमीत सिंह निवासी पन्नीवाला रुलदू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

### भूप सिंह छिम्पा बने जिला प्रधान

**सिरसा।** समग्र शिक्षा एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत सिरसा में आयोजित बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इस दौरान एबीआरसी भूप सिंह छिम्पा को जिला प्रधान चुना गया। साथ ही विभाग में सुपरीडेंट पद पर कार्यरत वीरेंद्र ख्यालिया, बीआरपी अनीता और एमआईएस कोऑर्डिनेटर संदीप को उप प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई।

### भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

**सिरसा।** श्री बजरंग भंडारा सेवा ट्रस्ट सिरसा द्वारा श्री बालाजी का जागरण एवं भंडारा पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित किया गया। प्रधान शिव शंकर गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि ललित जैन थे। कार्यक्रम में हिसार से आए कलाकार अभिनव एरन, फतेहाबाद से वाइस कपूर व विनोद फ्रंड एंड पार्टी ने बालाजी के विभिन्न भजन गाए जिन पर रातभर श्रद्धालु झूमते रहे। नटराज आर्ट ग्रुप सिरसा की ओर से अनेक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। अतिथियों को ट्रस्ट की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

## भट्टू रोड पर ग्रीन बैल्ट, अपूरवमेंट ट्रस्ट मार्किट और अवैध टैक्सी स्टैंड पर अवैध अतिक्रमण बरकरार

# खौफ: शिवालय मार्किट में 40 वर्षो से दुकानों के आगे 30 फुट तक लगाए शेड दुकानदारों ने खुद उतारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पिछले एक सप्ताह से शहर में नगरपरिषद द्वारा दुकानों के आगे अवैध रूप से लगाए गए शैड, रैम्प व अवैध निर्माण को गिराने के बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने हस्तक्षेप किया तो अभियान दो दिन रोक दिया गया। दो दिन की समय सीमा खत्म हो गई। नगरपरिषद की टीम के खौफ के चलते रविवार को शिवालय मार्किट, हंस मार्किट, थाना रोड, धर्मशाला रोड सहित सभी बाजारों में दुकानदारों ने स्वयं ही शेड उतार दिए। हद तो यह है कि यहां शिवालय मार्किट व हंस मार्किट में दुकानदारों ने पिछले 40 सालों से अपनी दुकानों के आगे 30 फुट तक कब्जा कर रखा था। यह रास्ता आने-जाने के लिए बना था, जिस पर अतिक्रमण हो गया था। रविवार को जैसे ही दुकानदारों ने अपने शैड हटाए तो सड़क खुली-सी नजर आई। पिछले दो दिनों से धीमा पड़ा नगरपरिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान सोमवार को फिर गति पकड़ लेगा। सोमवार को डीएमसी संजय बिश्नोई के नेतृत्व में नगरपरिषद की टीम एक बार फिर जेसीबी लेकर बाजार में उतर सकती है। इसको लेकर नगरपरिषद द्वारा दुकानदारों को पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है। इसके बाद से नगर परिषद प्रशासन का खौफ दुकानदारों में स्पष्ट दिखने लगा है। अतिक्रमण हटाने के नाम पर अवैध निर्माण और दुकानों के आगे लगे शेड तोडऩे की चेतावनी का असर होने लगा है। दुकानदार खुद ही दुकानों के बाहर लगे शेड उतारने में जुट गए हैं।

**शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए नगर परिषद ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान**

**फतेहाबाद।** जेसीबी से अतिक्रमण हटाती नगरपरिषद टीम। *फोटो: हरिभूमि*

### अप्रवूमेंट ट्रस्ट मार्किट में कब्जा बरकरार

नेशनल हाइवे पर अपूवमेंट ट्रस्ट की मार्किट में एसडीएफसी बैंक के आगे एकमात्र अपूरवड पार्किंग है लेकिन यहां पर मिस्त्रियों इत्यादि ने अवैध रूप से वाहन व दुकानों के आगे सामान रखकर इसे बंद कर रखा है। इस पार्किंग से अब गुजरना तक मुमकिन नहीं है। यही हाल बंसल अस्पताल के आगे वाली पार्किंग का है।

### आज से फिर फिल्ड में उतरेगी नप

*हालांकि, त्योहारी सीजन से पहले हुई ऐसी कार्रवाई से दुकानदारों में रोष बना है। इस अभियान पर बीजेपी नेताओं के कहने पर दो दिन विराम लगा था। अब नगर परिषद प्रशासन दो दिन के विराम के बाद सोमवार से फिर से शहर में उतरेगी। दुकानों के बाहर लगे शेड तोड़े जाएंगे। साथ ही सामान भी जब्त किया जाएगा। अब तक टीम ने जीटी रोड के दोनों तरफ अभियान चलाया है। सोमवार से यह अभियान हंस मार्केट, थाना रोड, मोबाइल मार्केट एरिया में भी चलने की संभावना है। बता दें कि पिछले गुरुवार को शहर के जीटी रोड पर लघु सचिवालय के सामने की तरफ बुलडोजर लेकर डीएमसी व अन्य अधिकारियों ने अवैध निर्माण हटवाना शुरू किया। झोपडिय़ां, अस्थायी ठिकाने व शेड तोड़ दिए गए। पहले दिन अभियान लालबत्ती चौक तक चला। इसके बाद गुरुवार शाम को ही विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया डीसी डॉ. विवेक भारती से मिलने पहुंचे। विधायक ने दावा किया कि डीसी से बातचीत के बाद तीन फुट तक शेड छोडने की अनुमति दी गई है।*

### दुकानों के आगे रेहड़ी

सोमवार को प्रथम नवरात्रे से फेस्टीवल सीजन का शुभारंभ हो जाएगा। इसके बाद दशहरा, फिर दीपावली का पर्व आएगा। त्यौहारी सीजन को लेकर दूर-दराज के गांवों से लोग खरीददारी करने शहर आते हैं जिससे बाजारों में भीड़-भाड़ की स्थिति रहती है। ऐसे में प्रतिदिन सडक़ों पर जाम लगा रहता है। शहर के सबसे खुले बाजार हंस मार्किट में 30 से 40 फुट तक दुकानदारों ने शैड आगे बढ़ा रखे हैं। इतना ही नहीं, यहां पर दुकानदारों ने दुकानों के आगे की जगह रेहड़ी वालों को किराये पर दे रखी हैं। रेहड़ी वालों से दुकानदार 4 हजार से 10 हजार रुपये प्रतिमाह वसूलते हैं।

### भट्टू रोड पर ग्रीन बैल्ट पर कैसे हटेंगे कब्जे

*बस स्टैण्ड के पास नागरिक अस्पताल को जाने वाले रास्ते में टैक्सी चालकों ने अवैध रूप से टैक्सी स्टैण्ड बना रखा है। हालांकि वहां मॉडल टाऊन की मार्किट हैं जिसमें पार्किंग की जगह छोड़ी हुई है। इस अवैध टैक्सी स्टैण्ड से लोगों को अस्पताल जाने से दिक्कत होती है। भट्टू रोड पर ग्रीन बैल्ट में वीटा व अमूल दूध के चार बूथ लगे हुए हैं। यहीं पर पूर्व विधायक दुड़ाराम की दुकान के पीछे ग्रीन बैल्ट में शैड लगा हुआ है जहां लोग बैठकर ताश खेलते हैं। यह नहीं हो सकता कि नगरपरिषद के अधिकारियों को इसका पता नहीं है। अब देखना होगा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान की मार यहां पड़ती है या नहीं।*

## पुलिस ने यात्रियों से किया संवाद

- सुरक्षात्मक पहलुओं की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

महिला थाना प्रभारी कमला देवी ने पुलिस टीम के साथ रविवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को महिला सुरक्षा व नशे जैसी सामाजिक बुराई के बारे में जागरूक किया। महिला थाना प्रभारी ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए बताया कि महिला विरुद्ध अपराध के प्रति सजग रहें तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की गई किसी भी प्रकार की अभद्र हरकत का डटकर मुकाबला करें। इसके लिए उन्होंने 112 एप व दुर्गा शक्ति एप के महत्व बारे जानकारी दी।

**सिरसा।** रेलवे स्टेशन डबवाली पर यात्रियों को सुरक्षा के बारे में बताते हुए डबवाली महिला थाना प्रभारी। *फोटो: हरिभूमि*

### पुलिस महिलाओं की सुरक्षा को लेकर तत्पर

उप निरीक्षक कमला देवी ने बताया कि स्कूल और कॉलेज के सुबह खुलने तथा छुट्टी होने के समय सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सावधानी बरती जा रही है। डबवाली पुलिस महिला सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने आमजन से नशे से संबंधित किसी प्रकार की सूचना राष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की हेल्पलाइन नंबर 1933 पर देकर नशे की खरीद फरोख्त पर अंकुश लगाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

## पुलिस कर्मियों ने थानों-चौकियों में की सफाई

- एसपी के नेतृत्व में स्वच्छता और अनुशासन का विशेष अभियान चलाया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस सिर्फ अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी अग्रसर है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में हर रविवार स्वच्छ थाना-चौकी अभियान के तहत जिले के सभी थानों व चौकियों में स्वच्छता और अनुशासन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हर रविवार सुबह का दृश्य अब कुछ अलग होता है कि पुलिसकर्मी हाथों में झाड़ू, ब्रश और पौधे लेकर थानों की सफाई और सौंदर्यीकरण में जुटे होते हैं। कहीं दीवारों की पुताई, कहीं रिकॉर्ड रूम की सफाई, तो कहीं पौधारोपण, यह सब अब एक नियमित अभ्यास बन चुका है। हर रविवार, दो घंटे का श्रमदान एक अनुशासित शुरुआत की है। एसपी सिद्धांत जैन का मानना है कि एक स्वच्छ और व्यवस्थित थाना न केवल पुलिस बल का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि वहां आने वाले नागरिकों में भी विश्वास का माहौल पैदा करता है। इस अभियान में रैंक या पद का कोई अंतर नहीं। अधिकारी से सिपाही तक सभी एक साथ मिलकर थानों की तस्वीर बदल रहे हैं।

**फतेहाबाद।** थानों में साफ-सफाई करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

### क्या कहते है एसपी

अब जिले के अधिकांश थानों में स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था है। शिकायत लेकर आने वाले लोगों को मैत्रीपूर्ण, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण माहौल का अनुभव हो रहा है। एसपी जैन कहते हैं कि स्वच्छता कोई एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि सतत अभ्यास है। जैसे कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी ड्यूटी है, वैसे ही स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

## गांव खाई में नुक्कड़ सभा 10 नशा पीड़ित चिन्हित

**फतेहाबाद।** फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, थाना स्तर पर एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने गांव खाई में एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया। सभा में पंचायत सदस्यों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया। टीम ने अपील की कि नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज का सक्रिय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए, टीम ने ग्रामीणों से सुझाव लिए और उन्हें नशा पीड़ितों की पहचान प्रक्रिया में शामिल किया गया।ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से 10 ड्रग पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की गई। इन पीड़ितों की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाएं प्रदान की गई।

## वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

- डक्र सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस द्वारा सडक़ सुरक्षा को लेकर निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सदर रतिया के प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित दोपहिया, तिपहिया व चौपहिया वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए। अभियान की मुख्य विशेषताएं यह रही कि शहर व गांवों से गुजर रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि रात के समय उनकी दृश्यता बढ़ाई जा सके। रिफ्लेक्टर लगाने का उद्देश्य रात्रि दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है। वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई और नियमों के पालन की अपील की गई। आमजन को समझाया गया कि सडक़ पर की गई छोटी-सी लापरवाही भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित रखना और सडक़ दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। उन्होंने कहा कि रिफ्लेक्टर लगने से वाहन दूर से ही नजर आने लगते हैं, जिससे हादसों की संभावना में काफी कमी आती है।

**रतिया।** वाहनों पर रिफ्लैक्टर लगाते पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

### नागरिकों से अपील

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आम नागरिकों से अपील की कि सडक़ सुरक्षा केवल पुलिस का ही नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का दायित्व है। यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर अवश्य लगवाएं।

## धोखाधड़ी का आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

साइबर क्राइम पुलिस सिरसा ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी सत्यपाल निवासी जिला बाड़मेर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र ने रविवार को बताया कि सिरसा की परमार्थ कॉलोनी निवासी अक्षिता कालरा ने ऑनलाइन वर्क फ्रॉम होम के नाम पर टेलीग्राम गुरप और फर्जी वेबसाइट के माध्यम से ठगी किए जाने की शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता से अलग-अलग बैंक खातों से करीब साढ़े चार लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई। आरोपी ने शिकायतकर्ता अक्षिता कालरा को झूठे मुनाफे का लालच देकर निवेश करवाया और धोखाधड़ी को अंजाम दिया। पुलिस ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाकर आरोपी सत्यपाल को राजस्थान क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है।

***ऑनलाइन वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर की ठगी***

**सिरसा।** ऑनलाइन ठगी का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। *फोटो: हरिभूमि*

## विद्यार्थियों को बताए नशे के दुष्प्रभाव

**सिरसा।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिरसा में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्ति सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान आयुष विभाग से डॉ. दिनेश एवं डॉ. हेमराज ने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रणजीत कुमार, अजय मेहता, मनदीप कौर, प्रभु दयाल भाटी, अनिल, लिपिक, कपिल देव, कुलदीप सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

**सिरसा।** विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव की जानकारी देते डा. दिनेश व अन्य।

**हरिभूमि**
**आवश्यक सूचना**
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005, 7988727916

**धर्म-कर्म** | नौ दिन की जाएगी माता की पूजा, 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा दशहरा पर्व

## नवरात्रि पर इस साल उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और हस्त योग का संयोग बन रहा

# शारदीय नवरात्रे आज से, हाथी पर सवार होकर आएंगी माता

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अश्विन मास की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्र शुरू होते हैं। इस साल शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू हो रहे हैं। नवरात्रि पर इस साल उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और हस्त योग का संयोग बन रहा है। इस साल नवरात्रि सोमवार 22 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेंगे। इसके बाद दशहरा पर्व 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। आपको बता दें कि साल में दो गुप्त नवरात्रि आते हैं और चैत्र मास और शारदीय नवरात्रि दो अप्रैल और अक्टूबर में मनाए जाते हैं। अब अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को शारदीय नवरात्रि के नाम से जाना जाता है। इसमें मां दुर्गा की विशेष पूजा होती है। इन नौ दिनों में माता दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है।

लाइटिंग से सजा श्याम मंदिर।

### शारदीय नवरात्र 2025 तिथि

- 22 सितंबर - मां शैलपुत्री की पूजा
- 23 सितंबर - मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
- 24 सितंबर - मां चंद्रघंटा की पूजा
- 26 सितंबर - मां कूष्मांडा की पूजा
- 27 सितंबर - मां स्कंदमाता की पूजा
- 28 सितंबर - मां कात्यायनी की पूजा
- 29 सितंबर - मां कालरात्रि की पूजा
- 30 सितंबर - मां सिद्धिदात्री की पूजा
- 01 अक्टूबर - मां महागौरी की पूजा
- 02 अक्टूबर - विजयदशमी (दशहरा)

### माता की सवारी

श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि इस बार हाथी पर माता सवार होकर जाएंगी। ऐसा कहा जाता है कि जब माता की सवारी हाथी होती है, तो इसे शुभ माना जाता है। रविवार या सोमवार को शुरू होने वाली नवरात्रि में माता हाथी पर सवार होकर आती हैं। इसलिए इस बार पूजा विशेष फलदायी होगी। इस बार माता का प्रस्थान बुधवार को हो रहा है।

### घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार नवरात्रि का आरंभ घटस्थापना के साथ होता है, जिसे बहुत ही शुभ माना जाता है। 2025 में घटस्थापना सोमवार, सितम्बर 22, 2025 को की जाएगी। घटस्थापना 22 तारीख को सुबह 06:09 बजे से 08:06 बजे तक की जा सकती है। इसके अलावा अगर दोपहर को घटस्थापना कर रहे हैं, तो दोपहर 11:49 बजे से 12:38 बजे तक कलश की स्थापना कर सकते हैं।

## पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

- जैक और रैंबो की मदद से संदिग्ध लोगों की जांच की

**फतेहाबाद।** अपराध एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी शिकंजा कसने के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा रविवार को शहर के गुरुनानकपुरा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में डॉग स्क्वायड के जैक और रैंबो की मदद से संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गहन जांच की गई। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि अभियान के दौरान थाना पुलिस, डॉग स्क्वायड और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों और राहगीरों की तलाशी ली। क्षेत्र में प्रवेश और निकासी कर रहे संदिग्धों की पहचान सत्यापित की गई।